CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

# हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 208 □ रायपुर, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

## ब्रेकिंग न्यूज

### तीन दिनों से लापता शख्स की खारुन नदी में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

**रायपुर, 21 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां एक शख्स की लाश खारुन नदी में तैरती हुई मिली है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी के साथ ही मामले की जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान चंगोराभाटा निवासी उमेन्द्र देवांगन (53) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उमेन्द्र 18 अगस्त को बिना किसी को कुछ बताए निकला था। परिजनों ने डीडी नगर थाने में उसकी गुमसुदी की शिकायत भी दर्ज कराई थी। इस दौरान उसकी लाश आज खारुन नदी में तैरती हुई मिली, जिससे हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी के साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

### तालाब में युवक की मिली लाश, 3 दिन से था लापता

**बलौदा बाजार, 21 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** शहर के पिपरहा तालाब में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नहाने पहुंचे लोगों ने युवक का शव तैरते हुए देखा. तत्काल पुलिस को सूचना दी गई. मृतक की पहचान 40 वर्षीय आनंद यादव पिता सांवत यादव के रूप में हुई है. मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी साझा की गई है. मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, आंनद यादव पिपरहा तालाब के पास मोहल्ले में रहता था. वह अंबेडकर चौंक स्थित होटल में काम करता था. परिजनों ने बताया कि आंनद पिछले 3 दिनों से लापता था. लगातार उसकी तलाश की जा रही थी. हालांकि पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी. शुक्रवार को शव मिलने के बाद मृतक के परिवार में मातम पसर गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को गोताखोरों की मदद से बाहर निकलवाया. शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मामला आत्महत्या का है या कुछ और. पुलिस हर संभावित एंगल से जांच कर रही है. वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी अहम खुलासा हो सकता है।

### सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: बदले न्यायिक सेवा में प्रवेश के नियम, अब एक साल वकालत कर भी बन सकेंगे जज

**नई दिल्ली, 21 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** न्यायिक सेवा में प्रवेश से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने वकालत की प्रैक्टिस को अनिवार्य शर्त बनाए रखने के अपने फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि, कोर्ट ने बार में जरूरी प्रैक्टिस की अवधि तीन साल से घटाकर एक साल कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक और शर्त लगाई है। इसके तहत न्यायिक सेवा परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को एक साल का गहन प्रशिक्षण राज्य न्यायिक अकादमी में लेना होगा। इसके बाद छह महीने जिला न्यायाधीश/उच्चतर न्यायिक सेवा के अधिकारी के साथ क्लर्कशिप और छह महीने किसी मौजूदा हाईकोर्ट जज के साथ क्लर्कशिप करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने संक्रमण अवधि के संबंध में भी महत्वपूर्ण छूट दी है, जो 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगी। अदालत ने कहा, निर्देश यह है कि तीन साल की प्रैक्टिस की आवश्यकता के बावजूद सभी कानून स्नातक आवेदन करने के पात्र होंगे। इस तथ्य को देखते हुए कि समीक्षा के तहत फैसले को सुनाए जाने के बाद एक साल से अधिक समय बीत चुका है।

## बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, भाजपा प्रदेश प्रभारी के लिए अभिनेत्री स्मृति ईरानी का नाम चल रहा है।
चुहिया- हां जी, लेकिन वो तो यूपी में खुद फेल हो गई..!

## संसद मार्ग थाने पर राहुल का धरना

# पैलेट गन से घायल छात्र की पुलिस ने नहीं दर्ज की शिकायत, विरोध में प्रदर्शन

**नई दिल्ली, 21 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्रों के प्रदर्शन में पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर एक बार फिर सियासत शुरू हो गई है। शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पुलिस कार्रवाई में कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल में घायल शख्स को लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे। वह यहां मामले की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे हैं। एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने पर राहुल गांधी थाना परिसर में ही धरने पर बैठ गए हैं। साहिल की कंप्लेन पर इन्वेस्टिगेशन नंबर ही नहीं दिया गया है, जिससे कि एफआईआर दर्ज हो सके। एम्स से भी साहिल की एमएलसी ( मेडिको लीगल केस) रिपोर्ट नहीं दी गई है, जिसको कि कंप्लेन और एफआईआर में लगाया जा सके। ये सरासर अन्याय है। अमित शाह और दिल्ली पुलिस सुन लें- ये तानाशाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्रों के न्याय के लिए हम पूरी ताकत से लड़ते रहेंगे।

कांग्रेस ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, %अमित शाह ने देश के बच्चों पर पैलेट गन चलवाई, जिसमें साहिल को पैलेट लगने से आंख में गंभीर चोट आई थी। साहिल और उसकी मां लगातार पुलिस के पास जाकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग कर रहे थे, जिसे पुलिस नजरअंदाज कर रही थी। इसलिए आज नेता विपक्ष राहुल गांधी, साहिल और उसकी मां के साथ पुलिस अधिकारियों से मिले और जांच की जानकारी मांगी। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा- हम छात्रों के साथ खड़े हैं। हम न्याय के लिए खड़े हैं। हम चुप नहीं रहेंगे। एफआईआर दर्ज होने तक डीसीपी ऑफिस के बाहर धरना। साहिल लोचाब दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र हैं। वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में हाथ बटाने के लिए पार्ट-टाइम कार भी चलाते हैं। साहिल एसएससी दिल्ली कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे थे और 2024-25 में हुए पेपर लीक से प्रभावित हुए थे। 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर आयोजित संसद मार्च में साहिल पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग लेकर शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई पुलिस कार्रवाई में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। राहुल गांधी ने साहिल को मीडिया के सामने लाकर दावा किया था कि 20 जुलाई को शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर सुरक्षा बलों ने पैलेट गन (छर्रों) का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि साहिल तिरंगा लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस की बर्बर कार्रवाई में उनकी एक आंख की रोशनी जाने की नौबत आ गई है। इससे पहले राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और पुलिस प्रशासन पर बड़ा हमला था। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हुल गांधी के साथ 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचाब भी मौजूद था, जिनकी आंख गंभीर चोटों के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

## चमोली टनल हादसा: छत्तीसगढ़ के 4 मजदूरों की मौत, सीएम साय ने की मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख देने की घोषणा

**रायपुर, 21 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** उत्तराखंड के चमोली में 13 अगस्त को हुए दर्दनाक टनल हादसे में 10 मजदूरों की मौत हुई। मरने वालों में 4 मजदूर छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के निवासी थे। हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री साय ने मृतक श्रमिकों के परिजनों 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है. वहीं दो घायलों को इलाज के लिए 50-50 हजार रुपये देने के निर्देश दिए गए हैं। इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है, जबकि जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं. दिवंगत

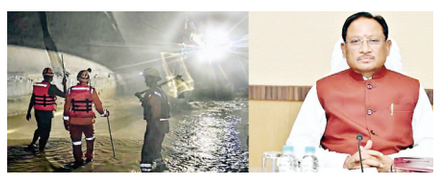

श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दु:ख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उत्तराखंड के चमोली जिले में निर्माणाधीन मायापुर - पीपलकोटी टनल में काम चल रहा था. 13 अगस्त की शाम लगभग 6:30 बजे भारी भूस्खलन और पहाड़ी के पानी के रिसाव के कारण 22 श्रमिक अंदर फंस गए. सूचना के तुरंत बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया, जिससे 12 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया. पहले दिन 4 श्रमिकों के शव मिले, जबकि अगले दिन तीन और शव बरामद हुए. 15 अगस्त को एक और 16 अगस्त को 2 शव मिले। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान ने 117 घंटे तक बचाव अभियान चलाया।

## वन विभाग में बड़े पैमाने पर तबादला

# 9 अधिकारियों को किया गया इधर से उधर

**रायपुर, 21 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** छत्तीसगढ़ में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है. 9 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है. कई वन मंडलों के मंडलाधिकारी बदले गए हैं. इस संबंध में वन एंव जलवायु परिवर्तन विभाग से आदेश जारी हुआ है। वन विभाग ने 2011 बैच की अधिकारी स्टायलो मंडावी को प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) के पद से मुक्त किया है. इसके साथ ही उन्हें इंद्रावती टाइगर रिजर्व, जगदलपुर के क्षेत्र निदेशक और मुख्य वन संरक्षक (प्रादेशिक), जगदलपुर के अतिरिक्त प्रभार से भी मुक्त किया गया है. यह व्यवस्था उत्तम कुमार गुप्ता के कार्यभार ग्रहण करने के दिन से प्रभावी होगी।

### इन अधिकारियों को मिली नई पदस्थापना

**सौरभ सिंह ठाकुर ( 2017 )** - गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, बैकुंठपुर से उप संचालक, हाथी रिजर्व, सरगुजा, अंबिकापुर पद पर स्थानांतरण, **दिनेश कुमार पटेल ( 2018 )** - वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मोहला से उप संचालक, अचानकमार टाइगर रिजर्व, लोरमी पद पर स्थानांतरण, **गणेश यू. आर. ( 2019 )** - उप संचालक, अचानकमार टाइगर रिजर्व, बिलासपुर से वनमंडलाधिकारी, अनुसंधान एवं विस्तार वनमंडल, बिलासपुर पद पर स्थानांतरण. साथ ही संचालक, अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व, बिलासपुर का अतिरिक्त प्रभार, **अभिनव कुमार ( 2021 )** - वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मुंगेली से वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मोहला पद पर स्थानांतरण, **एस. नवीन कुमार ( 2022 )** - संचालक, कांकेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर से वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), पश्चिम भानुप्रतापपुर पद पर स्थानांतरण, **गौतम पादीभर ( 2023 )** - उप वनमंडलाधिकारी, गौरेला वनमंडल, मरवाही से उप संचालक, कांकेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर पद पर स्थानांतरण, **श्वेता कंबोज ( 2023 )** - उप वनमंडलाधिकारी, अंबिकापुर वनमंडल से उप संचालक, गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, बैकुंठपुर पद पर स्थानांतरण, **सुमेध संजय सुरवणे ( 2023 )** - उप वनमंडलाधिकारी, सुकमा वनमंडल से उप संचालक, इंद्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर पद पर स्थानांतरण, **तन्मय कौशिक ( 2023 )** - उप वनमंडलाधिकारी, रायगढ़ वनमंडल से वन उप संरक्षक (प्रादेशिक), मुंगेली पद पर स्थानांतरण।

## समंदर में फिर दहशत: यमन-सोमालिया के पास दो जहाज हाईजैक; लुटेरों के कब्जे में 22 भारतीय समेत 30 क्रू मेंबर

**नई दिल्ली, 21 अगस्त ( न्यूज चैनल )।** यमन और सोमालिया के तट के पास दो अलग-अलग घटनाओं में समुद्री लुटेरों ने दो कमर्शियल जहाजों को हाईजैक कर लिया। इन दोनों जहाजों पर कुल 22 भारतीय नागरिक समेत 30 क्रू सदस्य सवार थे। एमटी सिबू 1 पर 16 और एम/वी लुटुफ पर छह भारतीय नागरिक सवार थे। सोमालिया में हाईजैक किए गए जहाज पर तुर्किये के हथियार और संचार-सैटेलाइट उपकरण लदे थे। जबकि एम/वी लुटुफ और उसके चालक दल की मौजूदा स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शिपिंग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 20 अगस्त को यमन के तट से करीब 30 नॉटिकल मील दूर अदन की खाड़ी में इरिट्रिया के झंडे वाले तेल उत्पाद टैंकर एमटी सिबू 1 को हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने अपने कब्जे में ले लिया। जहाज पर कुल 20 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें 16 भारतीय नागरिक शामिल हैं।

अधिकारी के अनुसार, घटना के बाद भारतीय पक्ष स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक जहाज पर सवार भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित हैं।

दूसरी घटना 17 अगस्त को सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास हुई, जहां कैमरून के झंडे वाले कार्गो जहाज एम/वी लुटुफ को समुद्री लुटेरों ने हाईजैक कर लिया। जहाज पर 10 सदस्यीय क्रू था, जिसमें छह भारतीय नागरिक, एक तुर्किये का नागरिक, एक जॉर्जियाई नागरिक और दो सर्बियाई सुरक्षा गार्ड शामिल थे। सोमाली अधिकारियों के मुताबिक, जहाज का मालिकाना हक पोलर मूवमेंट शिपिंग के पास बताया गया है। हाईजैक के बाद समुद्री लुटेरे जहाज को पुंटलैंड के नुगाल तट की ओर ले गए। एक सोमाली अधिकारी ने पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि एम/वी लुटुफ को सोमवार को पुंटलैंड के ईयल जिले में मारेया से करीब साढ़े तीन नॉटिकल मील की दूरी पर कब्जे में लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामला संवेदनशील होने के कारण उन्हें सार्वजनिक रूप से अपनी पहचान बताने की अनुमति नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, एम/वी लुटुफ तुर्किये के हथियार लेकर जा रहा था। इन हथियारों को मोगादिशु स्थित तुर्किये के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र तक पहुंचाया जाना था। जहाज पर संचार और सैटेलाइट उपकरण भी लदे थे। घटना को लेकर तुर्किये के अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

## महतारी वंदन योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा

# सरकारी शिक्षक और क्लर्क उठा रहीं थी फायदा, अब सैलरी से होगी कटौती

**बिलासपुर, 21 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। बिलासपुर जिले के बिल्हा ब्लॉक के 11 शिक्षक और बाबुओं को चिन्हित किया गया है जो अपात्र होने के बाद भी उसका लाभ उठा रहे थे। शासकीय शिक्षक और बाबू के पद में कार्यरत कर्मियों के परिवारों द्वारा योजना का नियम विरुद्ध लाभ उठाने पर अब प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। बीईओ के जरिए अब उनसे वसूली की कार्रवाई शुरू हो गई है।

महतारी वंदन योजना में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की सभी महिलाओं को माह में एक हजार रुपए देने का निर्णय लिया गया है। इसका लाभ शासकीय सेवक वाले नहीं उठा सकते। इसके बाद भी जिले के बिल्हा ब्लॉक के शिक्षा विभाग में शिक्षक और बाबू के पद पर कार्यरत शासकीय सेवक नियमों को ताक पर रखकर महतारी वंदन योजना का लाभ उठा रहे थे। इसमें कुछ शिक्षिकाएं और महिला बाबू भी उसका लाभ ले रही थीं।

एकीकृत बाल विकास परियोजना, बिल्हा की जांच में 11 ऐसे अपात्र हितग्राहियों के नाम सामने आए हैं. इसलिए विभाग ने ऐसे शासकीय सेवकों की जानकारी बीईओ, बिल्हा को भेजी है।अपात्र महिलाओं को चिह्नित किया गया है, जिनके पति या वे स्वयं शासकीय सेवा शिक्षक, वर्ग 2 और सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं. इन अपात्र हितग्राहियों के खातों में गलत तरीके से भेजी गई कुल 1,24,000 रुपए की राशि वसूली करने कहा गया है।

रत्ना क्षत्री पति विनोद कुमार क्षत्री शासकीय सेवक ग्रेड 2, गंगा बाई पति केसर सिंह शासकीय सेवक ग्रेड 2, रमा वर्मा पति रवींद्र वर्मा शिक्षक वर्ग 2, दिनेश्वरी कुर्रे पति शैलेश कुमार कुर्रे शिक्षक वर्ग 2, कुसुम यादव पति राजकुमार यादव शिक्षा कर्मी, गोदावरी कौशिक पति सुरेश कौशिक शासकीय शिक्षक, रामेश्वरी साहू पति राजेश साहू शासकीय सेवक ग्रेड 2, कीर्ति पाटले पति संतोष पाटले शासकीय सेवक ग्रेड 1, सविता कुर्रे पति गोरेलाल कुर्रे सहायक शिक्षक, अमर ज्योति शांडिल्य पति विनोद कुमार सहायक शिक्षक और लक्ष्मी पति परविंदर कुमार शासकीय शिक्षक शामिल हैं। बिल्हा बीईओ भूपेंद्र कौशिक ने कहा कि शासकीय शिक्षक और बाबू होने के बाद भी शासन की महतारी योजना के नाम पर प्रतिमाह रुपए लेने वालों की पहचान महिला एवं बाल विकास विभाग ने की है।

# जल जीवन मिशन में धमतरी जिले की उल्लेखनीय उपलब्धि, छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान

**धमतरी 21 अगस्त ( हाईवे चैनल )।** जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल पहुंचाने की दिशा में धमतरी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। हर घर जल अभियान के तहत धमतरी जिला पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान पर है। जिले के कुल 622 ग्रामों में से लगभग 530 ग्रामों में हर घर जल की उपलब्धि हासिल की जा चुकी है। इस प्रकार जिले के 85 प्रतिशत से अधिक गांवों में ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। घर-घर नल कनेक्शन की सुविधा से ग्रामीण परिवारों के दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को दूर स्थित हैंडपंप, कुएं अथवा अन्य जल स्रोतों से पानी लाने में लगने वाले समय एवं श्रम से राहत मिलेगी। योजना से स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन स्तर में सुधार हो रहा है।

**जल संकट वाले क्षेत्रों में चार बड़ी बहुग्रामीय जल प्रदाय योजनाएं:** जिले के ऐसे क्षेत्रों, जहां भूजल स्तर कम होने अथवा गर्मी के मौसम में जल संकट की स्थिति निर्मित होती है, वहां बहुग्रामीय जल प्रदाय योजना (मल्टी विलेज स्कीम) के माध्यम से स्थायी पेयजल व्यवस्था विकसित की जा रही है। जिले में चार प्रमुख योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिनसे कुल 219 गांव लाभान्वित होंगे। इनमें कुरूद विकासखंड की सिर्री बहुग्रामीय जल प्रदाय योजना से

**530 ग्रामों में हर घर जल की सुविधा, चार बहुग्रामीय जल प्रदाय योजनाओं से 219 गांव होंगे लाभान्वित**

84 गांव, मगरलोड की मेघा योजना से 59 गांव, नगरी की घटुला योजना से 36 गांव तथा नगरी की सांकरा योजना से 40 गांव लाभान्वित होंगे। इन योजनाओं के माध्यम से विश्वसनीय जल स्रोतों से पाइपलाइन नेटवर्क द्वारा अनेक गांवों तक पेयजल पहुंचाया जाएगा। इससे गर्मी के दिनों में जलस्तर कम होने वाले क्षेत्रों में भी पेयजल की स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

**धमतरी जिले का राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करना सामूहिक प्रयासों का परिणाम है - कलेक्टर**

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले का राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करना अधिकारियों, मैदानी अमले, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिले के शेष गांवों को भी हर घर जल की सुविधा से जोड़ने के लिए कार्यों की निरंतर निगरानी की जा रही है। जल स्रोतों की स्थिरता, गुणवत्तापूर्ण निर्माण और नियमित जलापूर्ति पर विशेष ध्यान देते हुए धमतरी को पूर्णत: नल-जलयुक्त जिला बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास जारी रहेंगे।

CMYK